CMYK

Website : www.highwaychannel.in

छत्तीसगढ़ का सर्वाधिक प्रसारित शाम का अखबार

हाईवे चैनल

□ वर्ष- 29 □ अंक- 188 □ रायपुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 □ पृष्ठ-8 □ मूल्य- 2.50 रुपया • रायपुर • जगदलपुर से प्रकाशित RNI रजिस्ट्रेशन नं. 68139/98

सुप्रीम कोर्ट ने पेलेट गन पर रोक लगाने से किया इंकार

दिल्ली पुलिस ने भी एफआईआर वापसी पर लगा दी शर्त!

नई दिल्ली, 31 जुलाई (न्यूज चैनल)। संसद मार्च के दौरान प्रदर्शनकारियों पर पेलेट गन के इस्तेमाल से उठे विवाद ने अब कानूनी और राजनीतिक दोनों मोर्चों पर नया मोड़ ले लिया है। एक ओर सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कर दिया है कि मौजूदा कानूनी प्रावधानों में बदलाव किए बिना पेलेट गन के इस्तेमाल पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं लगाया जा सकता। वहीं दूसरी ओर दिल्ली पुलिस ने राहत देते हुए कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज 13 एफआईआर वापस लेने का फैसला किया है। हालांकि हिंसा में शामिल आरोपियों और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को इस राहत के दायरे से बाहर रखा गया है।

हम आपको बता दें कि प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने पेलेट गन पर रोक लगाने की मांग वाली याचिकाओं की सुनवाई करते हुए कहा कि यदि याचिकाकर्ता इन हथियारों को पूरी तरह समाप्त कराना चाहते हैं तो उन्हें उन कानूनी प्रावधानों को ही संविधान के अनुच्छेद-21 के विरुद्ध चुनौती देनी होगी, जो असाधारण परिस्थितियों में भीड़ नियंत्रण के लिए इनके इस्तेमाल की अनुमति देते हैं। सुनवाई के दौरान अदालत ने यह भी साफ किया कि वह किसी विशेष घटना में पेलेट गन के कथित दुरुपयोग की जांच करने को तैयार है। अदालत ने केंद्र सरकार और रैपिड एक्शन फोर्स के महानिरीक्षक को नोटिस जारी करते हुए जंतर-मंतर पर 20 जुलाई को हुए सीजेपी प्रदर्शन के दौरान तैनात आरएएफ जवानों के हथियारों और इस्तेमाल किए गए गोला-बारूद का रिकॉर्ड सुरक्षित रखने का निर्देश दिया।

बेकाबू बाइक रेलिंग से टकराई युवक के पेट के आर-पार हुआ लोहे का पाइप, तीन घायल

बिलासपुर, 31 जुलाई (हाईवे चैनल)। सकरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत कानन पेंडारी के पास गुरवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन युवक गंभीर रूप से घायल हो गए. तेज रफ्तार बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी लोहे की रेलिंग से जा टकराई. टक्कर इतनी भीषण थी, कि रेलिंग का सरिया युवक के पेट में जा घुसा. वहीं दूसरे युवक के पेट से लोहे का पाइप पार हो गया. हादसे में अब्राहम और प्रियांशु की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है, जबकि तीसरे युवक को सामान्य चोटें आई हैं. तीनों युवक मुंगेली जिले के पेंड्रीडीह, जरहागांव निवासी बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार तीनों युवक अपने गांव से बिलासपुर किसी दोस्त को लेने आए थे. यहां पहुंचने पर पता चला कि उनका मित्र पहले ही वापस जा चुका है. इसके बाद बाइक से तीनों अपने गांव लौट रहे थे. इसी दौरान कानन पेंडारी के आसपास उनकी बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगी रेलिंग से जा भिड़ी और भीषण हादसा हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना का दृश्य बेहद भयावह था. टक्कर के बाद रेलिंग का लोहे का सरिया और पाईप दो युवकों के पेट में घुस गया. अब्राहम के पेट में सरिया फंसा रह गया, जबकि प्रियांशु के पेट में घुसा सरिया प्रारंभिक उपचार के दौरान सिम्स अस्पताल में निकाला गया. तीसरे युवक को हल्की चोटें आई हैं और उसकी स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

संसद के बाहर विपक्ष का प्रदर्शनः पप्पू यादव ने साधु बनकर बटोरा चंदा, राहुल ने चढ़ावा चढ़ाया

नई दिल्ली, 31 जुलाई (न्यूज चैनल)। निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने साधु के कपड़े पहनकर शुक्रवार को संसद परिसर में अयोध्या राम मंदिर के चढ़ावे में कथित चोरी को दिखाने वाला प्रदर्शन किया। इस दौरान उनके साथ विपक्ष के कई अन्य सांसद भी मौजूद थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। यह प्रदर्शन अयोध्या राम मंदिर चंदे में कथित चोरी और 20 जुलाई को छात्रों के संसद मार्च के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में किया गया। इंडिया ब्लॉक के सांसदों ने गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग की। उन्होंने सदन की कार्यवाही में अमित शाह की गैरमौजूदगी पर भी सवाल उठाए। सांसदों ने संसद के मकर द्वार के सामने प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने नारे लगाए- अमित शाह इस्तीफा दो, अमित शाह सदन में आओ और चढ़ावा चोर, गद्दी छोड़।

सांसदों ने संसद के मकर द्वार की सीढ़ियों के सामने दान पेटियां रखीं। निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव साधु के भेष में इन पेटियों के साथ बैठ गए। प्रदर्शन के दौरान एक नाटक के जरिये संदेश देने की कोशिश की गई। इसमें राहुल गांधी समेत अन्य सांसदों ने पेटियों में पैसे डाले। वहीं, पप्पू यादव ने पैसे अपनी जेब में रखे और इसे राम मंदिर चढ़ावे में कथित चोरी के आरोपों के प्रतीक के तौर पर दिखाया। इस प्रदर्शन में प्रियंका गांधी वाड्रा, समाजवादी पार्टी के अवधेश प्रसाद और धर्मेंद्र यादव, झारखंड मुक्ति मोर्चा की महुआ माजी समेत कई अन्य नेता शामिल हुए। सभी सांसद एक बड़े बैनर के पीछे खड़े थे, जिस पर लिखा था- अमित शाह सदन से गायब क्यों? इंडिया ब्लॉक ने कहा है कि वह सरकार को कथित चढ़ावा चोरी के आरोपों और नीट पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर कठोर कार्रवाई के मुद्दे पर घेरता रहेगा।

इससे पहले, बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की जवाबदेही की मांग का समर्थन किया था। उन्होंने आरोप लगाया था कि छात्रों पर हुए घातक हमले के लिए भाजपा जिम्मेदार है। खरगे ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हमारे युवाओं और छात्रों पर पैलेट गन चलाई गई। या तो यह गृह मंत्री अमित शाह की मंजूरी से हुआ या फिर उनकी जानकारी और निर्देश पर हुआ। दोनों ही स्थितियां गृह मंत्री या प्रधानमंत्री की जिम्मेदारी पर सवाल उठाती हैं।

हंगामे की भेंट चढ़ा मानसून सत्र का 10वां दिन

लोकसभा और राज्यसभा सोमवार तक स्थगित

लोकसभा से जन्म-मृत्यु पंजीकरण संशोधन विधेयक 2026 पारित हुआ

विपक्ष के हंगामे के बीच शुक्रवार को लोकसभा ने जन्म और मृत्यु पंजीकरण (संशोधन) विधेयक, 2026 पारित कर दिया। सदन की कार्यवाही के दौरान पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने विपक्षी सदस्यों से अपनी सीटों पर लौटने की अपील की। हालांकि, नारेबाजी के बीच ही विधेयक को पारित कर दिया गया। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही भी 3 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई है। वहीं संसद के मानसून सत्र के दौरान शुक्रवार को राज्यसभा की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की अगली बैठक अब 3 अगस्त 2026 को सुबह 11 बजे होगी। राज्यसभा के सभापति ने सदन की कार्यवाही को अगले निर्धारित समय तक के लिए स्थगित करने की घोषणा की।

ब्रेकिंग न्यूज

प्रोटेस्ट में शामिल हुए जेन जी पर भड़के मुकेश खन्ना, देर होने से पहले इन कॉकरोच को बाहर फेंको

नई दिल्ली, 31 जुलाई (न्यूज चैनल)। पिछले कई दिनों से कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और उसका विरोध प्रदर्शन चर्चा में रहा है। कई सेलेब्स ने इस पार्टी और उनके विरोध प्रदर्शन का सपोर्ट किया है। कई ऐसे भी कलाकार हैं, जिन्होंने इस पार्टी और विरोध प्रदर्शन की आलोचना की है। आलोचना करने वालों में अभिनेता मुकेश खन्ना भी शामिल हो गए हैं। मुकेश खन्ना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर करते हुए सीजेपी की आलोचना की है। वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, इन कॉकरोच को बाहर फेंक दो। घर में जब कॉक्रोच आ जाते हैं, तो हम क्या करते हैं? उन्हें ढूंढ कर, पकड़ कर, उठा कर बाहर फेंक आते हैं। इनके साथ भी ऐसा ही कीजिए। जो बच्चे इनके बहकावे में आकर, जोश में बहुत ही गलत बोल गए हैं।

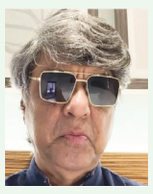

बिरादरी की बात

चूहा- सुनती हो, सुप्रीम कार्ट ने पेलेट गन पर रोक लगाने से इंकार कर दिया है।

चुहिया- हां जी, आत्मरक्षा के लिए तो कुछ भी चलाना पड़ेगा..!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने की भेंट

छत्तीसगढ़ के विकास और 'बस्तर विजन' पर हुई विस्तृत चर्चा

रायपुर 31 जुलाई (हाईवे चैनल) मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज संसद भवन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ के समग्र विकास, बस्तर के कायाकल्प तथा राज्य की महत्वपूर्ण अधोसंरचना एवं औद्योगिक परियोजनाओं के संबंध में विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष बदलते छत्तीसगढ़ और विशेष रूप से बस्तर के विकास का रोडमैप प्रस्तुत करते हुए राज्य की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि सुरक्षा, विश्वास और विकास की समन्वित रणनीति के परिणामस्वरूप बस्तर आज व्यापक बदलाव के दौर से गुजर रहा है। दशकों तक नक्सल हिंसा और विकास संबंधी चुनौतियों का सामना करने वाला यह क्षेत्र अब शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, रेल, बिजली, हवाई संपर्क, आजीविका, खेल और पर्यटन के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य इस परिवर्तन को स्थायी बनाते हुए बस्तर को विकास की मुख्यधारा से पूरी तरह जोड़ना है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजनांदगांव में प्रस्तावित लगभग 10,500 करोड़ की गैस आधारित यूरिया परियोजना को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि परियोजना के लिए आवश्यक भूमि उपलब्ध करा दी गई है तथा राज्य सरकार के स्तर की आवश्यक स्वीकृतियां भी पूरी की जा चुकी हैं।

पीसी में झलका सीजेपी प्रोटेस्ट में घायल पुलिसवालों के परिवारवालों का दर्द, भावुक होते हुए बोले- खून से लाल थी खाकी वर्दी

नई दिल्ली, 31 जुलाई (न्यूज चैनल)। बीते दिनों दिल्ली में हुए भ्रष्टाचार प्रोटेस्ट के संसद चलो प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शकारियों और पुलिस वालों के बीच झड़प हुई। इस दौरान कई पुलिस वाले घायल हुए। इस संबंध में शुक्रवार घायल पुलिसकर्मियों को परिवारवालों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर अपना दर्द साझा किया है। उन्होंने आंदोलनकारियों के रवैया पर गुस्सा जताया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान परिजनों ने आपबीती सुनाते हुए बताया कि, जब मेरे पिता उस दिन ड्यूटी के बाद घर लौटे, तो उनकी खाकी वर्दी खून से पूरी तरह लाल थी। उनके सिर और हाथों पर गंभीर चोटें थीं। दिल्ली पुलिस एसीपी की पत्नी अवनीत कौर ने बताया कि, 20 जुलाई की रात जब मेरे पति घायल अवस्था में घर पहुंचे, तो उनकी हालत देखकर मेरी रूह कांप गई। वह दृश्य मेरे और हमारी 2 साल की बेटी के लिए बेहद दर्दनाक और ट्रॉमेटिक था। मेरी मासूम बेटी अपने पिता को उस हालत में देखकर सहम गई थी।

दिल्ली पुलिस एसीपी पर हुए हमले को लेकर पत्नी ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि, लोग यह भूल जाते हैं कि एक पुलिस अधिकारी सिर्फ एक अकेला इंसान या वर्दी नहीं होता। उसके पीछे उसका एक परिवार होता है-उसकी पत्नी, छोटे बच्चे और बूढ़े माता-पिता, जो हर पल घर पर उसके सुरक्षित लौटने का इंतजार करते हैं। रोते- रोते घायल सब-इंस्पेक्टर की बेटी ने बताया, मेरे पिता बैरिकेड्स पर तैनात थे, जहां बहुत भारी भीड़ मौजूद थी। पापा अक्सर घर पर बताते थे कि अब यह सिर्फ छात्रों का आंदोलन नहीं रह गया है, इसमें कुछ असामाजिक तत्व घुस चुके हैं। 25 तारीख को प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने मेरे पिता को जबरन खींच लिया और उन पर जानलेवा हमला कर दिया। उन्हें लगभग मार ही डाला गया था। हमले के बाद वे 4 घंटे से भी ज्यादा समय तक मौके पर बेहोश पड़े रहे। बाद में जब उनकी टीम के लोग उन्हें किसी तरह बचाकर घर लाए, तो उनकी पूरी वर्दी खून से लथपथ थी। एक तरफ मेरे पिता अस्पताल में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रहे थे, उनकी वर्दी खून से सनी हुई थी, लेकिन जब मैंने सोशल मीडिया खोला तो देखकर दंग रह गई।

शराब माफिया के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची पुलिस दल पर हमला, छह ग्रामीणों को किया गिरफ्तार

गरियाबंद, 31 जुलाई (हाईवे चैनल)। शराब माफियाओं पर कार्रवाई करने पहुंची पुलिस पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया. रात को गांव में भारी बवाल और गहमा-गहमी देखते हुए पुलिस कर्मी वापस लौट गए, इसके बाद सुबह गांव में जाकर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया. आरोपियों में 4 पुरुष, एक महिला और एक नाबालिग शामिल हैं। जानकारी के अनुसार, गुरुवार की रात कांदगड़ी के आश्रित ग्राम डोंगरी पानी मे अवैध शराब बिक्री की जानकारी मिली थी, जिसके बाद कार्रवाई करने गई 8 पुलिसकर्मियों पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया था. स्थिति को देखते हुए पुलिसकर्मी रात को गांव से निकल आए, लेकिन सुबह गांव में जाकर 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिसमें 4 पुरुष, एक महिला और एक नाबालिग शामिल हैं।

सहायक उप निरीक्षक यदुराज की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी सुमित्रा नेताम, चुनेश्वर मरकाम समेत 4 आरोपियों के खिलाफ 109-बीएनएस, 191(2)-बीएनएस, 115(2)-बीएनएस, 191(3)-बीएनएस, 121(1)-बीएनएस, 296-बीएनएस, 132-बीएनएस, 351(3)-बीएनएस के तहत मामला पंजीबद्ध किया है।

गंगरेल बांध में रात 8 बजे हो रही थी 94,500 क्यूसेक पानी की आवक

गेट खोलने की थी तैयारी लेकिन आवक घटने से नहीं खुला गेट

- गेट खोलने की तैयारियों के बीच बजा बांध का सायरन लेकिन घटते आवक से नहीं खुला गेट
- सुबह 11 बजे बांध में हो रही थी 30327 क्यूसेक पानी की आवक, 70 प्रतिशत हुआ बांध में जल भराव

धमतरी 31 जुलाई (हाईवे चैनल)। लगातार हो रही बारिश के कारण गंगरेल जलाशय (रविशंकर सागर परियोजना) में जल आवक लगातार बढ़ रही है। गुरुवार 30 जुलाई 2026 को रात्रि 8 बजे जारी आंकड़ों के अनुसार जलाशय में जल भंडारण क्षमता 485.23 एमसीएम दर्ज की गई थी, जबकि जल स्तर 345.39 मीटर पहुंच गया है। यह जलाशय की पूर्ण जलभराव क्षमता (एफआरएल) 348.70 मीटर का 63.26 प्रतिशत है। जल संसाधन विभाग के अनुसार वर्तमान में गंगरेल जलाशय में 94,500 क्यूसेक की तेज जल आवक हो रही है, जबकि जलाशय से मात्र 50 क्यूसेक पानी की निकासी की जा रही है। पिछले एक घंटे में ही जल स्तर में 11 सेंटीमीटर की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई थी, जिससे जलाशय में पानी तेजी से बढ़ रहा था।

वही आज सुबह 11 बजे की स्थिति में गंगरेल बांध में पानी की 30327 क्यूसेक रहा। बांध से 50 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। बांध में कुल जल भराव क्षमता 32.150 टीएमसी है। जबकि बांध में जल भराव 23.881 टीएमसी था। जिसमें उपयोगी जल भराव 18.810 टीएमसी था। बांध का लेवल 346 मीटर रहा। बांध में 27.079 टीएमसी उपयोगी जल भराव क्षमता है। इसलिए वर्तमान में बांध में 70 प्रतिशत जल भराव हो चुका है। बांध का डेड स्टोरेज 5.071 टीएमसी है।

बीती रात्रि 8 बजे जारी सूचना के अनुसार मुख्य अभियंता (सीई) के निर्देशानुसार, वर्तमान जल आवक, बांध की सुरक्षा तथा डाउनस्ट्रीम क्षेत्रों में संभावित बाढ़ की स्थिति को ध्यान में रखते हुए गंगरेल जलाशय से नरराज बैराज की ओर 20,000 क्यूसेक पानी छोड़ने की तैयारी थी। अधिकारियों का कहना था कि पानी नियंत्रित ढंग से छोड़ा जाएगा ताकि जलाशय का जल स्तर सुरक्षित सीमा में बना रहे। जल संसाधन विभाग ने स्पष्ट किया है कि पानी छोड़े जाने से पहले जिला प्रशासन, संबंधित विभागों तथा डाउनस्ट्रीम क्षेत्र के अधिकारियों को आवश्यक सूचना दी जाएगी। साथ ही प्रभावित गांवों और नदी किनारे बसे लोगों को भी सतर्क किया जाएगा, ताकि किसी प्रकार की जनहानि या अप्रिय घटना से बचा जा सके। प्रशासन ने महानदी एवं उससे जुड़े निचले क्षेत्रों के लोगों से अपील की है कि पानी छोड़े जाने के दौरान नदी के किनारे जाने, मछली पकड़ने, स्नान करने अथवा अन्य गतिविधियों से बचें तथा प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों का पालन करें। आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय प्रशासन और पुलिस द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम भी किए जाएंगे।

इंद्रावती ने दिखाया रौद्र रूप

भोपालपटनम के दर्जनों गांव बाढ़ की चपेट में, रातभर चला रेस्क्यू

भोपालपटनम/बीजापुर, 31 जुलाई (हाईवे चैनल)। लगातार भारी बारिश के कारण इंद्रावती नदी उफान पर है। भोपालपटनम क्षेत्र में नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर पहुंच गया है। इसके बाद नदी किनारे बसे कई गांव बाढ़ की चपेट में आ गए। सबसे गंभीर स्थिति चन्दनगिरी गांव की रही जहां 35-40 परिवार के करीब 170 ग्रामीण पानी से घिर गए। प्रशासन ने रातभर विशेष राहत एवं बचाव अभियान चलाकर सभी को सुरक्षित निकाला। रात होते-होते चन्द्रनगिरी का सड़क संपर्क पूरी तरह टूट गया। चारों ओर पानी भरने से गांव टापू में तब्दील हो गया। सूचना मिलते ही एसडीएम यशवंत नाग, तहसीलदार लक्ष्मण राठिया, जनपद सीईओ आदित्य कुंजाम, सरपंच पदमा चिड़ेम, जिला पंचायत उपाध्यक्ष पेरे पुलैया और राहत दल मौके पर पहुंचे। पहले ग्रामीणों को सतर्क किया गया, फिर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को प्राथमिकता देकर सुरक्षित बाहर निकाला गया। बचाव अभियान रात 12 बजे तक लगातार चला। ग्रामीणों को पास के स्कूल में बने राहत शिविर में ठहराया गया। कई लोग जरूरी सामान और मवेशियों को छोड़कर जान बचाकर निकले। अधिकारियों ने सिर्फ निगरानी नहीं की बल्कि खुद राहत पर उतरे। एसडीएम यशवंत नाग ने अपनी सरकारी गाड़ी में ग्रामीणों को बैठाकर राहत शिविर तक पहुंचाया। अधिकारियों ने घर-घर जाकर लोगों को समझाइश देकर सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए प्रेरित किया। पुलिस, राजस्व और स्थानीय प्रशासन की संयुक्त टीम पूरे समय सक्रिय रही। बाढ़ का पानी मट्टीमरका गांव तक पहुंच गया, वहां से भी लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बामनपुर, करकावाय, मीनूर, अट्टूकपल्ली, कंदला, कोंडामौसम, लिंगापुर, नलमपल्ली, गंगाराम, अर्जुनल्ली सहित कई गांवों में बाढ़ का खतरा है। प्रशासन ने इन सभी गांवों में अलर्ट जारी कर निगरानी बढ़ा दी है। ऊपरी क्षेत्रों से पानी आने और लगातार बारिश के कारण इंद्रावती का जलस्तर अभी भी बढ़ रहा है। राहत एवं बचाव दल, पुलिस और राजस्व अमला पूरी रात सक्रिय रहा।

प्रशासन ने नदी किनारे बसे गांवों में निगरानी तेज कर दी है। लोगों से नदी और पुलों के पास न जाने और केवल प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की गई है। यदि बारिश जारी रही तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। बीजापुर जिले में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और बाढ़ की स्थिति को देखते हुए कलेक्टर के निर्देश पर 31 जुलाई एवं 1 अगस्त को जिले के सभी शासकीय-अशासकीय प्राथमिक, माध्यमिक, हाई स्कूल, हायर सेकेंडरी स्कूलों तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश घोषित किया गया है।

CMYK